RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : बुधवार 14 जून 2023 | वर्ष 05 | अंक 53 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

## मुख्यमंत्री के रूप में फडणवीस की तुलना में शिंदे ज्यादा लोगों को पसंद, शिवसेना के विज्ञापन में दावा... पवार-राउत ने मुख्यमंत्री पर कसा तंज

**मुंबई** : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मंगलवार को एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए एक विज्ञापन प्रकाशित किया जिसमें शिंदे को मुख्यमंत्री पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता देवेंद्र फडणवीस की तुलना में अधिक लोगों की पसंद दशार्या गया है। विभिन्न समाचार पत्रों में पूरे पन्ने का विज्ञापन जारी किया जिसका शीर्षक था, ''राष्ट्र में मोदी, महाराष्ट्र में शिंदे सरकार।वहीं मुख्यमंत्री शिंदे ने बाद में यह कहते हुए इसे अधिक तवज्जो नहीं देने का प्रयास किया कि वह और भाजपा नेता फडणवीस दोनों लोगों के मन में हैंऔर मिलकर काम कर रहे हैं।

गौरतलब है कि, कई अखबारों में छपे पूरे पृष्ठ के विज्ञापन में शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे की तस्वीर नहीं थी, जिसके बाद शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी को मोदी-शाह की शिवसेनाकरार दिया। इसमें शिवसेना का धनुष-बाण चिह्न और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शिंदे की तस्वीर थी, लेकिन फडणवीस की तस्वीर नहीं थी। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की प्रचार सामग्री में बाल ठाकरे की तस्वीर का न होना उसके पहले के रुख से एक बदलाव दिखाता है। पिछले साल जून में उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत करके शिवसेना को तोड़ने वाले शिंदे ने हमेशा कहा है कि उनका गुट बाल ठाकरे की विरासत को आगे बढ़ा रहा है। विज्ञापन में कहा गया है, मुख्यमंत्री पद के लिए हुए एक सर्वे के अनुसार महाराष्ट्र के 26.1 प्रतिशत लोग एकनाथ शिंदे को और 23.2 प्रतिशत लोग देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद पर देखना चाहते हैं।इसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र के 49.3 प्रतिशत लोग भाजपा और शिवसेना गठबंधन को पसंद करते हैं। विज्ञापन में प्रस्तुत आंकड़े और दावे 'जी टीवी-मेट्राइज सर्वेक्षण के हवाले से दिये गये हैं।

## नाना पटोले ने जैक डोर्सी का किया समर्थन
## सीबीआई और ईडी का हो रहा दुरुपयोग, भाजपा झूठों की पार्टी...

**मुंबई** : महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने ट्विटर के सह-संस्थापक और पूर्व सीईओ जैक डोर्सी के भारत के दबाव के दावे का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऐसा प्रयास किया होगा। पटोले ने कहा, ट्विटर के सीईओ (जैक डोरसी) ने जो कहा वह पूरी तरह से सही है। जब भाजपा सत्ता में आई थी, तो मीडिया को सच दिखाने की शक्ति नहीं दी गई थी। इससे

पहले भी बीबीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक लघु फिल्म लॉन्च की थी और केंद्रीय एजेंसी ने उन पर छापा मारा था।उन्होंने कहा, सरकार ने ट्विटर को यह कहते हुए चेतावनी दी होगी कि अगर वे हमारे खिलाफ रिपोर्ट करते हैं, तो हम भारत में ट्विटर के विभागों पर छापा मारेंगे। आगे पटोले ने कहा, हर कोई जानता है कि सीबीआई और ईडी का आज दुरुपयोग हो रहा है, भाजपा झूठों की पार्टी है। सरकार झूठ बोल रही है। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल उनके (ट्विटर, बीबीसी) के खिलाफ किया होगा। उधर केंद्र सरकार ने डोर्सी के दावों को खारिज कर दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने ट्वीट किया, डोर्सी के समय ट्विटर प्रशासन को भारतीय कानून की संप्रभुता को स्वीकार करने में दिक्कत होती थी।उन्होंने कहा, कोई जेल नहीं गया और ना ही ट्विटर बंद किया गया।

### सरकार ने ट्विटर को बंद करने और छापे मारने की धमकियां दी थी...

**डोर्सी ने आरोप लगाया है कि देश में किसानों के प्रदर्शन के दौरान भारत सरकार ने ट्विटर पर दबाव डाला था और सरकार का कहना नहीं मानने पर भारत में ट्विटर को बंद करने, उसके कर्मचारियों के घरों पर छापे मारने की धमकियां दी गई थीं। डोर्सी ने एक साक्षात्कार में कहा है, किसान आंदोलन के आसपास भारत से कई निवेदन आये, खासतौर से उन पत्रकारों को लेकर जो सरकार को लेकर आलोचनात्मक थे. और ऐसा कहा गया कि हम भारत में ट्विटर को बंद कर देंगे, आपके कार्यालयों को बंद करवा देंगे यह भारत की बात है, एक लोकतांत्रिक देश की।**

## डोंबिवली में मिलावटी खाद्य तेल बेचने वाले गैंग के तीन लोग गिरफ्तार, इतने लाख का माल जप्त

**कल्याण** : खाद्य पदार्थों में मिलावट करके कमाई करने के कारण कुछ अपराधी लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। गत 29 मई को दूध में मिलावट करने के मामले में तिलक नगर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। अब डोंबिवली की रामनगर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो ब्रांडेड कंपनी का स्टिकर लगाकर मिलावटी खाद्य तेल बेचते थे। मिलावटी खाद्य तेल बेचते हुए रामनगर पुलिस ने एक व्यापारी को गिरफ्तार किया था जिसकी निशानदेही पर तीन लोगों की मुंबई से गिरफ्तारी हुई है। मिलावटी खाद्य तेल की बिक्री करते हुए एक व्यापारी दिलीप मोहिते को डोंबिवली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसने बताया कि मस्जिद बंदर स्थित एक गोदाम में मिलावटी तेल बनाकर ब्रांडेड स्टिकर लगाकर इस तेल को बेचा जाता है। पुलिस द्वारा काफी दिनों से इस गैंग की तलाश की जा रही थी।

निशानदेही के आधार पर पुलिस निरीक्षक सचिन सांड़भोर के मार्गदर्शन में एक टीम नें मुंबई में छापा मारा और दीपक जैन, तारिक महमूद और अतीक अहमद को गिरफ्तार कर उनके पास से 5 लाख 45 हजार रुपए का माल भी जब्त किया है।

## मलाड के पास फेल हुआ मुंबई लोकल का सिग्नल
## 30 से 45 मिनट देरी से चलीं ट्रेन

**महाराष्ट्र** : महाराष्ट्र में मंगलवार को सिग्नल फेल होने के कारण पश्चिम रेलवे की लोकल ट्रेन सेवा प्रभावित हुई। इसके चलते यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। एक अधिकारी ने इस बारे में बताया कि मलाड के पास मुंबई लोकल ट्रेन का सिग्नल फेल होने के कारण पश्चिम रेलवे लाइन पर लोकल ट्रेन दोपहर से शाम तक 30 से 45 मिनट की देरी से चलीं। इस दौरान स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई।

पश्चिम रेलवे के पीआरओ ने मलाड स्टेशन के पास सिग्नल फेल होने के पीछे की वजह केबल में

खराबी बताई है। उन्होंने कहा कि सिग्नल में गड़बड़ी सुबह करीब 11.45 बजे हुई थी। इसके बाद टीम ने डाउन स्लो लाइन (विरार बाउंड) को पहले ठीक कर दिया था, जिसके बाद उसे बहाल कर दिया गया। हालांकि सभी चार लाइनों पर सिस्टम को बहाल करने में लगभग छह घंटे लग गए। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने कहा कि शाम 5:45 बजे तक सभी लाइनों पर सेवाएं बहाल कर दी गईं। उन्होंने यह भी बताया कि मुंबई मंडल के एक अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक सिग्नल की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने के लिए मौके पर पहुंचे थे।

इस बीच, कई यात्रियों ने ट्रेन के देर से चलने के कारण हुई असुविधाओं की शिकायत की। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि रेलवे स्टेशनों पर बढ़ती भीड़ और लंबे इंतजार ने यात्रा को असहनीय बना दिया। मीरा रोड की एक निवासी ने कहा कि जिस ट्रेन में वह सवार हुई थी, उसे मीरा रोड से अंधेरी के बीच की दूरी तय करने में एक घंटे से अधिक का समय लग गया। जबकि आम दिनों में इस यात्रा में लगभग 30 मिनट समय लगता है।

## संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

# मधुमेह का जहर...

बहुचर्चित वैश्विक स्वास्थ्य पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित, एक व्यापक भारतीय अध्ययन वाली रिपोर्ट परेशान करती है जिसमें भारत में डायबिटीज के दस करोड़ रोगी होने की बात कही गई है। ज्यादा चिंता यह है कि 13.6 करोड़ भारतीय मधुमेह की पूर्व स्थिति में हैं। प्री-डायबिटीज श्रेणी के लोगों में से साठ फीसदी के अगले पांच वर्ष में डायबिटीज की चपेट में आने की आशंका होती है। ये आंकड़े विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों से कहीं ज्यादा हैं। जो बताते हैं कि भारतीयों की जीवनशैली और खानपान इतना खराब हो चुका है कि देश मधुमेह की राजधानी बनने की स्थिति में पहुंच चुका है। आम बोलचाल की भाषा में शूगर की बीमारी कहा जाने वाला यह रोग अब संपन्न व शहरी लोगों का ही रोग नहीं रहा बल्कि छोटे शहरों, कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से पांव पसार रहा है। जो बताता है कि हमारे जीवन में श्रम का महत्व लगातार घटता जा रहा है। वास्तव में मधुमेह के रोगियों के शरीर में शर्करा की मात्रा बढ़ने से यह रोग होता है क्योंकि शरीर में इंसुलिन हार्मोन पर्याप्त मात्रा में नहीं बनता है। लैंसेट द्वारा प्रकाशित इस हालिया शोध में देश के तमाम राज्यों का सर्वे शामिल है। ये आंकड़े विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमानित आंकड़े सात करोड़ से कहीं अधिक है। करीब एक दशक तक चले इस सर्वे में प्रत्येक राज्य के बीस साल से अधिक आयु के एक लाख से अधिक लोगों को शामिल किया गया था। देश में सबसे ज्यादा मधुमेह रोगी गोवा, पुडुचेरी में छब्बीस फीसदी व केरल में पच्चीस फीसदी पाये गये। निस्संदेह इसकी मुख्य वजह हमारी जीवन शैली में कृत्रिमता, सुविधाभोगी जीवन , शिथिलता, प्रदूषण, तनाव व खानपान की आदतों में बदलाव आना है। चिंता की बात यह है कि ग्रामीण जीवन में यह रोग पांव पसारने लगा है।

विडंबना यह है कि जिस रोग को पहले बड़ी उम्र का रोग कहा जाता था, अब वह युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। चिंता की बात यह भी है कि यह रोग एक साइलेंट किलर की तरह होता है। इसके रोगियों को किडनी की बीमारी होने समेत हार्ट अटैक, स्ट्रोक व नेत्र रोग होने की आशंका बढ़ जाती है। यूं तो दुनिया में हर ग्यारह लोगों में एक व्यक्ति मधुमेह से पीड़ित है, लेकिन भारत में इसकी गति अधिक है। दरअसल, हमारी दिनचर्या में शारीरिक श्रम न होने व आरामतलबी के जीवन से इस रोग के प्रसार की ज्यादा संभावना होती है। वास्तव में जीवन की गतिशीलता शूगर की मात्रा को नहीं बढ़ने देती। हमारा शरीर खून में मौजूद शूगर की मात्रा को उपयोग कर लेता है। वो इसे हमारी ऊर्जा में बदल देता है। लेकिन यदि हमारा पेंक्रियाज इंसुलिन हार्मोन के जरिये ग्लूकोज का अवशोषण नहीं करता तो यह रोग जन्म लेता है। लेकिन चिंता की बात यह है कि ज्यादातर लोग ऐसे होते हैं जिन्हें पता ही नहीं होता कि वे प्री-डायबिटीज की स्थिति में हैं या टाइप-वन तरह के मधुमेह से पीड़ित हैं। आम तौर पर शरीर में ज्यादा थकावट, अधिक प्यास, बार-बार पेशाब लगना, वजन में गिरावट, बार-बार चश्मे का नंबर बदलना या जख्म भरने में ज्यादा समय लगने को इसके सामान्य लक्षण के तौर पर देखा जाता है, लेकिन चिकित्सक नियमित रक्त जांच की सिफारिश करते हैं ताकि समय रहते इसका उपचार किया जा सके। वहीं रोग प्रसार के अनुवांशिक कारणों को लेकर भी चिकित्सक सहमत हैं। खासकर दक्षिण एशियाई लोगों में इस बीमारी का खतरा ज्यादा रहता है। वहीं पर्यावरणीय कारक भी इसके मूल में हैं। चिकित्सक मानते हैं कि जीवन शैली में सुधार, खानपान की आदतों में बदलाव व फास्ट फूड से दूरी रोग से बचाव में मददगार साबित होती है। खासकर सब्जियां, फल, साबुत अनाज व वे खाद्य पदार्थ जिसमें ओमेगा की मात्रा अधिक होती है, उपयोगी होते हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# 100 हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे स्वास्थ्य केंद्रों को खोलने की तैयारी

**मुंबई** : महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे स्वास्थ्य केंद्र की नींव रखी गई थी, जिसका अब तेजी से विस्तार होने लगा है। इस स्वास्थ्य केंद्र का डंका बज रहा है, जहां मरीजों की बीमारियों को दूर कर उनकी शंकाओं को मिटाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, अब तक दस लाख मरीजों का इन स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज हो चुका है। वहीं दूसरी तरफ इसकी सफलता को देखते हुए दिसंबर तक और १०० हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे स्वास्थ्य केंद्रों को खोलने की तैयारी है। फिलहाल, इस समय शहर के विभिन्न क्षेत्रों में १५९ स्वास्थ्य केंद्र शुरू हैं।

१७ नवंबर २०२२ को हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के अवसर पर 'हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे स्वास्थ्य केंद्र' योजना का लोकार्पण किया गया था। शुरूआती महीने में औसत लाभार्थियों की संख्या में अब तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। यह मुंबई मनपा के बड़े अस्पतालों के बोझ को कम करने और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने में बहुत मददगार साबित हो रहा है। नवंबर २०२२ में शुरूआती अवधि में यानी २ महीने ७ दिन में स्वास्थ्य केंद्र में जहां एक लाख लाभार्थी पहुंच रहे थे, अब यह संख्या १५ दिनों पर पहुंच गई है।

इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़कर १५९ पर पहुंच गई है। फिलहाल मुंबई में स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या दिसंबर तक २५० तक बढ़ाने का निर्देश मनपा आयुक्त व प्रशासक इकबाल सिंह चहल और अतिरिक्त आयुक्त (पश्चिम उपनगर) डॉ. सुधाकर शिंदे ने दिया है।

हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे स्वास्थ्य केंद्र में अब तक १० लाख ४ हजार ९१२ मरीज विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठा चुके हैं। इसके साथ ही पॉलीक्लीनिक और डायग्नोस्टिक केंद्रों पर दंत चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन, त्वचा रोग विशेषज्ञ ने ४०,५०३ रोगियों का उपचार किया है। साथ ही विभिन्न परीक्षण भी किए गए हैं। हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे स्वास्थ्य केंद्र में ९,६४,४०९ मरीजों ने मुफ्त चिकित्सा जांच और मुफ्त दवा का लाभ उठाया है।

## रोक दी जाएंगी ट्रेनें, स्टाफ को दिए गए वायरलेस और सेटेलाइट फोन...

# चक्रवात बिपरजॉय से निपटने के लिए रेलवे अलर्ट

**मुंबई:** चक्रवाती तूफान बिप्रजॉय की चेतावनी के साथ ही मुंबई में हवाएं तेज हुई हैं। दो दिन पहले वैतरणा के पास ओएचई का खंभा ही उखड़ गया था। रविवार शाम प्रभादेवी और परेल के बीच डाउन लोकल लाइन पर पेड़ की डालियां आकर गिर गईं। हालांकि, चक्रवात की आशंका 15 जून को है, जिसे लेकर रेलवे ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अलर्ट के दौरान गुजरात से गुजरने वाली ट्रेनों पर असर पड़ेगा, इसलिए पश्चिम रेलवे पर इस तूफान से निपटने के लिए विशेष तैयारियां चल रही हैं। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र में चक्रवात का सबसे प्रभाव होगा। इसे देखते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने सभी विभागों के मुखियाओं से बैठक की है। दिल्ली से चेयरमेन रेलवे बोर्ड अनिल कुमार लाहोटी और अन्य अधिकारी ने तैयारियों का रिव्यू किया। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद, राजकोट और भावनगर डिविजन में स्टेशनों पर हेल्पलाइन और हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गई है। रेलवे के अनुसार वेरावल, जूनागढ़, पोरबंदर, राजकोट, ओखा, विरमगांम, गांधीधाम और भुज से मुंबई आने जाने वाली ट्रेनों पर असर पड़ेगा।

चक्रवात के दौरान यदि 50 किमी से तेज हवाएं चलती हैं, तो ट्रेनों को रोकने का निर्देश मिला है। ट्रेनों के लोको पायलट को विशेष रूट से निर्देश दिए जा रहे हैं। यदि तूफान के दौरान ट्रेन प्रभावित क्षेत्र से गुजरती है, तो डिब्बे में दोनों ओर की खिड़कियां खुली रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि हवाएं आर-पार गुजर सकें। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी मशीनरी को अलर्ट मोड पर रखा गया है। तूफान के दौरान संपर्क स्थापित करने के लिए स्टाफ को वायरलेस और सेटेलाइट फोन दिए जा रहे हैं।

# तेज हवाओं के कारण मुंबई में 50 स्थानों पर पेड़ गिरे...

**मुंबई** : 'बिपरजॉय' के मुंबई से दूर चले जाने से शहरवासियों को काफी राहत मिली है। फिर भी चक्रवाती तूफान के चलते ५० से ६० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। कल भी ऐसी ही स्थिति रहेगी और कुछ जगहों पर बारिश होने की भी संभावना है। पिछले दो दिनों से चल रही तेज हवाओं के कारण मुंबई में ५० स्थानों पर पेड़ गिरे हैं और घरों के हिस्से गिरने के साथ ही शॉट सर्किट की भी घटनाएं हुई हैं। इतना ही नहीं, इन घटनाओं में कुल छह लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी मनपा के आपातकालीन विभाग की ओर से साझा की गई है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की थी कि समुद्र में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण चक्रवात बिपरजॉय की मुंबई के साथ-साथ कोकण तट से भी जोरदार टक्कर होगी। हालांकि, सौभाग्य से चक्रवात की दिशा में बदलाव होने के चलते तेज हवाओं और कुछ जगहों पर बारिश को छोड़कर मुंबई में कोई बड़ा असर और नुकसान नहीं हुआ, लेकिन चक्रवात के कारण समुद्र में ऊंची लहरें उठती दिखीं। इसके अलावा तेज हवाओं के कारण शहर में भारी मात्रा में धूल उड़ रही थी। मुंबई मौसम विज्ञान विभाग की सुषमा नायर ने भविष्यवाणी की है कि यह स्थिति कल भी बनी रहेगी। हालांकि इससे चिंता की कोई बात नहीं है। लेकिन मनपा प्रशासन ने एहतियात बरतने की अपील की है।

चक्रवात 'बिपरजॉय' के मद्देनजर मनपा के आपात विभाग द्वारा आवश्यक सभी तैयारियां कर ली गई हैं।

मुंबई शहर विभाग में १३, पूर्वी उपनगर में ८ और पश्चिमी उपनगरों में २७ स्थानों पर पेड़ और शाखाएं गिरने की घटनाएं हुईं। इस घटना में वसोर्वा अंधेरी में पेड़ गिरने से रोहन बार्ला (१७) घायल हो गया। उसे इलाज के लिए कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया और अब उसकी हालत स्थिर है। दहिसर पूर्व के मुरबाली झील में पेड़ गिरने से निशा मिस्त्री (४४) घायल हो गई। उनका मीरा रोड के भक्ति वेदांत अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस बीच मुंबई शहर में ३ और पश्चिमी उपनगर में ३ स्थानों पर मकान के कुछ हिस्से ढह गए। जुहू-वसोर्वा लिंक रोड, कपासवाड़ी में एक निमार्णाधीन मकान की दीवार गिरने से दो महिलाएं घायल हो गईं, जबकि बांद्रा पश्चिम के दया उमर्षी चाल में एक घर पर पतरा के गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया।

# ‘मुसलमानों को शक...’

## धर्मांतरण के मुद्दे पर भड़के NCP विधायक जितेंद्र आव्हाड, पुलिस से मांगे सबूत

**महाराष्ट्र :** एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया है कि सरकार यहां के वातावरण को प्रदूषित कर रही है. सरकार खुद यह प्रदूषित वातावरण चाहती है. सरकार को ज्यादा खुशी है कि मैं वहां से विधायक हूं. यह कैसे संभव है कि धर्मांतरण की मेरी अपील का किसी ने जवाब नहीं दिया?

आव्हाड ने भी ऐसा ही सवाल किया है. आव्हाड ने यह भी आरोप लगाया कि एक धर्म को दूसरे धर्म का राक्षस दिखाकर डराया जा रहा है.

**इस दावे पर उठे कई सवाल**

उत्तर प्रदेश के एक अधिकारी का कहना है कि मुंब्रा में 400 बच्चों का धर्म परिवर्तन कराया गया है. मुंब्रा पुलिस को स्पष्ट करना होगा कि ऐसा कुछ नहीं हुआ. अगर हुआ था तो पुलिस को कैसे पता नहीं चला कि आपकी निगरानी में बच्चों का धर्मांतरण हुआ है? यह हिंदू समाज में अविश्वास दिखाने का एक प्रयास है. यह ऐसी स्थिति नहीं है जहां 400 हिंदू धर्म परिवर्तन करेंगे. यह पुलिस का अपमान है कि पुलिस को खबर नहीं है. मुसलमानों को शक की निगाह से देखा जाता है. जितेंद्र आव्हाड ने यह भी बताया कि इन तीन बातों को महाराष्ट्र पर कलंक के रूप में कहा जा सकता है.

धर्मांतरण करने का आरोप अगर सच है, तो आरोपी को फांसी पर लटका दो. मगर, मेरे चुनाव क्षेत्र को बदनाम न करो. मुख्यमंत्री को यह घोषणा करनी चाहिए थी कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है. मुंब्रा को बदनाम कर आप कितनी गंदी राजनीति कर रहे हैं? मुंब्रा में 25 फीसदी हिंदू भी रहते हैं. मेरी बात स्पष्ट है, क्या आपको लगता है कि हिंदू लड़के और लड़कियां अपरिपक्व हैं? क्या आपका मतलब है कि वे कुछ नहीं जानते हैं? क्या आप अपने राजनीतिक हितों के लिए हिंदू समाज को बदनाम कर रहे हैं?

# वीवीसीएमसी के स्वास्थ्य केद्रों में नहीं है सोनोग्राफी मशीन

## पूर्व नगरसेविका शिल्पा सिंह ने आयुक्त से की मांग

### पुरानी का हो दुरुस्तीकरण, अन्य में नयें मशीन लगायें जायें

**वसई।** प्रसव से पहले गर्भवती माताओं की देखभाल, सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना, गर्भवती माताओं की नियमित जांच उनके स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और यह मुख्य रूप से महानगरपालिका स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है। लेकिन वसई विरार शहर महानगरपालिका के वसई गांव से सीधे सातिवाली जहां भी सरकारी स्वास्थ्य संस्थान हैं वहां सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध नहीं है। शिल्पा सिंह ने वीवीसीएमसी आयुक्त के ध्यान में लाया है कि सर डी एम पेटिट अस्पताल और अन्य जगहों पर मशीनें काम नहीं कर रही हैं।

**कमनोर वर्ग प्रमावित**

सोनोग्राफी मशीनों की सुविधा नहीं होने के कारण वसई शहर की कई गर्भवती माताओं को अपने खर्चे पर सोनोग्राफी के लिए निजी अस्पतालों में जाना पड़ता है और फिर सोनोग्राफी रिपोर्ट सरकारी अस्पतालों को दिखानी पड़ती है। साथ ही सुविधाओं की अनुपलब्धता के कारण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की कई गर्भवती माताएं नियमित जांच नहीं करवा पाती हैं और इससे उनका और उनके बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। नतीजतन, शिवसेना की शिल्पा सिंह ने राय व्यक्त की है कि वसई में गर्भवती माताओं और उनके परिवार के सदस्यों को परेशानी हो रही है।

**मामला बेहद गंभीर**

शिवसेना की पूर्व नगरसेविका शिल्पा दिवाकर सिंह ने पत्र के माध्यम से इस मामले में वीवीसीएमसी आयुक्त और मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी को अवगत कराते हुए कहा है कि यह मामला बेहद गंभीर है और मनपा के स्वास्थ्य विभाग को इस पर ध्यान देने का अनुरोध किया गया है. जहां सोनोग्राफी मशीन खराब हो चुकी है उन्हें ठीक किया जायें और जिन स्वास्थ्य केंद्रों पर मशीनें नहीं है वहाँ नई मशीनें उपलब्ध कराई जाएं।

# सरकार की मदद से कोचिंग की सुविधा प्राप्त कर 17 आदिवासी छात्रों ने पास की ‘जेईई-मेन्स’ की परीक्षा

**नागपुर :** महाराष्ट्र के गोंदिया और गढ़चिरौली जिले के दूर-दराज के गांवों के कम से कम 17 आदिवासी छात्र सरकार की मदद से कोचिंग की सुविधा प्राप्त कर ‘जेईई मेन्स’ की परीक्षा पास कर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में पढ़ने के अपने सपने के एक कदम और करीब पहुंच गए हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक इन छात्रों ने जिले के बोरगांव बाजार में आदिवासी विकास विभाग के चार महीने के आवासीय कोचिंग कार्यक्रम में भाग लेने के बाद ‘जेईई एडवांस’ परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर ली है।

अधिकारी ने बताया कि एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) में पढ़ने वाले गढ़चिरौली और गोंदिया जिले के लगभग 17 आदिवासी छात्र, जो 12वीं कक्षा की परीक्षा में शामिल हुए थे, उन्हें इस वर्ष राज्य सरकार के आदिवासी विकास विभाग द्वारा गठित एक टीम द्वारा जेईई परीक्षा के लिए कोचिंग दी गई थी। आदिवासी विकास विभाग में अतिरिक्त आयुक्त रवींद्र ठाकरे ने कहा कि उन्होंने विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी आश्रम विद्यालयों का निरीक्षण करने के बाद ‘मिशन शिखर’ कार्यक्रम शुरू किया।

रवींद्र ठाकरे ने आश्रम विद्यालयों के शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण और कार्यशालाएं भी शुरू की थीं। उन्होंने कहा कि आदिवासी छात्र पढ़ाई में बहुत अच्छे होते हैं, लेकिन उन्हें सही मंच नहीं मिलता और 2021 में शुरू हुआ ‘मिशन शिखर’ वह मंच है। रवींद्र ठाकरे ने कहा, ‘‘हमने स्थानीय शिक्षकों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया, जिन्होंने इन छात्रों को कोचिंग देने में शानदार काम किया। निजी कोचिंग केंद्रों से बिना किसी पेशेवर कोचिंग के 25 में से कम से कम 17 छात्रों ने ‘जेईई एडवांस’ परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर ली है।’’

# आदित्य उत्सवः शिवसेना (यूबीटी) का अनार्ला समुद्र बीच सफाई अभियान

**वसई।** पालघर जिला शिवसेना, महिला अघाड़ी, युवा सेना, युवती सेना, शिव विधि और न्याय सेना और सभी मान्यता प्राप्त संगठनों ने पूर्व पर्यावरण और शिवसेना युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर आदित्य उत्सव मनाया। कार्यक्रम आयोजिका अधिवक्ता कल्याणी किरण पाटिल ने बताया कि शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे की समस्त सेना द्वारा आदित्य उत्सव के मौके पर बसई तालुका के ऐतिहासिक समुद्र अनार्ला समुद्र के किनारे पर स्वच्छता अभियान किया गया` साथ ही पौधारोपण भी किया गया। इस कार्यक्रम में पालघर जिला प्रमुख पंकज देशमुख, विनायक दादा निकम, पालघर जिला संघटक किरण ताई चेंदबनकर, उदय दादा जाधव, प्रथमेश बावकर, एड. आनंद घरत, कुणाल कोदे, भूमिश सावे, प्रतीक जाधव, अंजेला तांडेल महिला तालुका संघटक, एड. दिनेश आदमजी, रोहन चव्हाण, एड. पूनम जाधव, एड. सबिया काजी, एड. भक्ति दाडेकर, प्रणीती पाटील, अंजली पाटकर, स्वप्नाली महत्रे, एड. गिरीश दीवानजीं आदि निष्ठावंत शिवसैनिक उपस्थित थे. इस कार्यक्रम में पुलिस निरीक्षक अमरसिंह पाटील अनार्व्य सागरी पुलिस स्टेशन, नितीन राणे ग्रामविकास अधिकारी ग्रामपंचायत अनार्व्य आदि का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। अभियान में उपस्थित युवासेना विरार शहर के अभित भागवत (उप विधानसभा अधिकारी ), राम मैती (उप विधानसभा अधिकारी ), हर्षल गुरव (विरार शहर अधिकारी ), मनीष उगले (उपशहर अधिकारी), करण गोसावी (विभाग अधिकारी ), यश भावदे (विभाग अधिकारी ), आकाश साकुंखे (विभाग अधिकारी ), अरुण पानिकर (उपविभाग अधिकारी ), अमोल कदम(उपविभाग अधिकारी ), अनिरुध्द कांबन्ठे (उपविभाग अधिकारी ), जय खाडे (शाखा अधिकारी ), पार्थ भायदे (शाखा अधिकारी ), अक्षय दव्ठवी (उप शाखा अधिकारी ), प्रथमेश कदम, मयूर नवलु , गौरव कलांगण, अरविंद दामुष्ट, ओमकार देवघरकर आदि का पालघर उपजिला महिला संघटक अधिवक्ता कल्याणी किरण पाटील ने सभी का आभार व्यक्त किया।

# बेस्ट बेकरी मामले में दो आरोपी बरी, मुंबई की कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

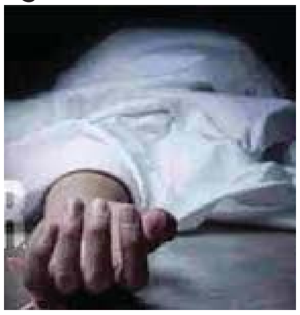

**मुंबई :** मुंबई की एक अदालत ने 2002 के गुजरात बेस्ट बेकरी भीड़ हमला मामले में दो आरोपियों को बरी कर दिया है. अदालत ने आरोपियों हर्षद रावजी भाई सोलंकी और मफत मणिलाल गोहिल को सुबूत के अभाव में बरी किया.दोनों आरोपियों को 15 -15 हजार की बॉन्ड पर बरी किया गया.

# कोर्ट ने दोनों आरोपियों को किया बरी, 14 लोगों की हुई थी दर्दनाक मौत!

**मुंबई :** मुंबई की एक अदालत ने मंगलवार को बेस्ट बेकरी मामले में दो आरोपियों- हर्षद रावजी भाई सोलंकी और मफत मणिलाल गोहिल को बरी कर दिया. गुजरात मे गोधरा दंगे की प्रतिक्रिया में भड़की हिंसा के बाद बेस्ट बेकरी कांड में 14 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी. इस मामले में दोनों आरोपी सोलंकी और गोहिल फिलहाल फरार घोषित हैं. 2002 में गोधरा कांड के बाद हुई हिंसा में भीड़ ने बडोदरा के बेस्ट बेकरी को आग के हवाले कर दिया था. इस घटना में 14 लोगों की जलकर मौत हो गई थी. इस मामले में बेस्ट बेकरी के मालिक की बेटी जाहिरा शेख ने 21 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था.

गुस्साई भीड़ ने बेकरी चलाने वाले शेख परिवार सहित अंदर रहने वाले मुसलमानों को निशाना बनाया. मारे गए सभी चौदह लोगों ने दंगों के दौरान बेस्ट बेकरी में शरण ली थी. बेकरी में कार्यरत तीन हिंदू श्रमिकों की भी हत्या कर दी गई थी. 2003 में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सभी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था, जिसे बाद में गुजरात हाईकोर्ट ने भी कायम रखा था.

इसके बाद जाहिरा शेख ने सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ के मिलकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. सुप्रीम कोर्ट ने इस केस के मुकदमे को गुजरात से बाहर चलाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद इस केस को मुम्बई स्पेशल कोर्ट में भेजा गया था. इस मामले में मुम्बई की कोर्ट ने 2006 में 17आरोपियों में से 9 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. इस फैसले के आने तक 4 आरोपियों की मौत हो चुकी थी. वहीं, इस मामले में फरार दो आरोपियों के वकीलों ने सुनवाई के दौरान यह दावा किया था कि गुजरात की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया था.

# महाराष्ट्र में किसकी बनेगी सरकार, क्या कहता है ओपिनियन पोल?

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र में साल 2024 में विधानसभा के चुनाव होंगे. महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर सर्वे किया गया. 23 मई से 11 जून तक किए गए सर्वे में 36 हजार लोगों की राय ली गई. राज्य में इखढ और शिवसेना के सत्ता में आने का एक साल इसी महीने पूरा हो रहा है. इस एक साल में महाराष्ट्र की राजनीति कितनी बदली? शिवसेना में हुए बंटवारे के बारे में महाराष्ट्र के लोग क्या सोचते हैं और अगर आज विधानसभा चुनाव हो जाए तो महाराष्ट्र की जनता किसका साथ देगी? सर्वे में शामिल 36 हजार लोगों में 21 हजार 600 पुरुष और 14 हजार 400 महिलाएं हैं. इस ओपिनियन पोल में मार्जिन ऑफ एरर प्लस माइनस 3 पर्सेंट है.

### किसको कितना मिलेगा वोट शेयर?

महाराष्ट्र में अगर अभी चुनाव होते हैं तो राज्य में BJP और शिवसेना शिंदे गुट के गठबंधन को 46 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है. वहीं महाविकास अघाड़ी यानी कांग्रेस, NCP और शिवसेना उद्धव गुट को 35 फीसदी वोट मिल सकता है.जबकि टठर को 3 फीसदी वोट और अन्य को 16 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है.

### महाराष्ट्र में किसकी सरकार बन सकती है?

ओपिनियन पोल के मुताबिक बीजेपी गठबंधन को 165 से 185 सीटें मिलने का अनुमान है. यानी ओपिनियन पोल में बीजेपी गठबंधन आराम से बहुमत का आंकड़ा 145 हासिल करते दिखाई दे रहा है. वहीं कांग्रेस गठबंधन यानी महाविकास अघाड़ी को 88 से 108 सीटें मिल सकती हैं. ओपिनियन पोल में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को दो से पांच सीट और अन्य को 12 से 22 सीटें मिलने का अनुमान है. अलग-अलग पार्टियों की बात करें तो बीजेपी को 121 से 131 सीटें मिल सकती हैं.एकनाथ शिंदे शिवसेना गुट को 44 से 54 सीटें मिल सकती हैं. वहीं महाविकास अघाड़ी में शामिल उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 8 से 18 सीटें मिलने का अनुमान है. कांग्रेस को 39 से 49 सीट और एनसीपी को 41 से 51 सीट मिल सकती है. MNS को दो से पांच सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है.जबकि अन्य को 12 से 22 सीटें मिल सकती हैं.

### मौजूदा राज्य सरकार का कामकाज कैसा है?

ओपिनियन पोल के मुताबिक, 47 प्रतिशत लोगों ने इसे बहुत बेहतर बताया जबकि 30 प्रतिशत लोगों ने संतोषजनक माना. मौजूदा राज्य सरकार के कामकाज को 19 प्रतिशत लोगों ने बेहद खराब बताया जबकि चार प्रतिशत लोगों ने राज्य सरकार के कामकाज पर कोई टिप्पणी नहीं की.

### मुख्यमंत्री के तौर पर एकनाथ शिंदे का कामकाज कैसा है?

51 प्रतिशत लोगों ने इसे बहुत बेहतर बताया जबकि 27 प्रतिशत लोगों ने इसे संतोषजनक करार दिया. हालांकि 17 फीसदी लोग इसे बेहद खराब मानते दिखे, जबकि पांच प्रतिशत लोग शिंदे सरकार के कामकाज पर कोई राय नहीं दे पाए.

### आपके क्षेत्र के विधायक का कामकाज कैसा है?

जवाब में 45% लोगों ने बहुत बेहतर बताया, तो 28% लोगों ने संतोषजनक माना. इसी तरह 23% लोगों की नजर में विधायकों का कामकाज बेहद खराब रहा, तो चार प्रतिशत लोगों ने कहा कि वो इसके बारे में कुछ कह नहीं सकते.

### विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री की पसंद कौन है?

जवाब में 26 प्रतिशत लोगों ने एकनाथ शिंदे को अपनी पसंद बताया तो 23 प्रतिशत लोगों की पसंद के साथ देवेंद्र फडणवीस उन्हें कड़ी टक्कर देते दिखे. वहीं उद्धव ठाकरे 11 प्रतिशत लोगों की पसंद रहे तो कांग्रेस के अशोक चव्हाण को 9 प्रतिशत लोगों ने अपनी पसंद बताया. ठउढ के अजित पवार सात प्रतिशत लोगों की पसंद रहे जबकि दूसरे कुछ नेताओं को 24 प्रतिशत लोगों ने अपनी पसंद बताया.

### 2019 से 2024 के बीच बनी दो गठबंधन सरकारों में से कौन बेहतर?

जब हमने ये सवाल पूछा तो 48 प्रतिशत महाराष्ट्र की जनता ठऊअ यानी इखढ और शिवसेना शिंदे गुट के पक्ष में दिखी. जबकि टश्अ यानी शिवसेना उद्धव गुट, उडठऋ और ठउढ गठबंधन वाली सरकार को 32 प्रतिशत लोगों ने बेहतर बताया.

# अदरक का भाव प्रति किलो 200 रुपए के पार, टमाटर हुआ लाल तो मिर्च हुई और तीखी

**मुंबई :** एक बार फिर लोगों पर महंगाई की भीषण मार पड़ी है। चाय के स्वाद को चटपटा और इसकी चुस्की को चार चांद लगानेवाले अदरक का भाव इन दिनों आसमान छू रहा है। अदरक का भाव प्रति किलो २०० रुपए के पार हो चुका है, इससे १५ साल का रिकॉर्ड टूट गया है, जिसकी वजह से चाय के शौकीनों का चाय का जायका खराब हो गया है और इस एंटीबायोटिक खुराक को मिलाना भारी हो गया है। मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु इस एंटीबायोटिक का इस्तेमाल लोग हर मौसम में करते हैं लेकिन इस साल अदरक की कम पैदावार और मंडियों में इसकी आवक कम होने के कारण दिनों-दिन इसका भाव आसमान छू रहा है। कई दिनों से अदरक का भाव २०० रुपए के पार पहुंचने के कारण आम आदमी का चाय में अदरक डालना मुश्किल हो गया है। कारोबारियों का

कहना है कि पिछले इसी सीजन में अदरक की कीमत २० से २५ रुपए प्रति किलो थी। बाजारों में सब्जियों के भाव बढ़ने से रसोई का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। ऐसे में लोगों का एक बार फिर घर चलाना और मुश्किल हो रहा है। बाजार में सभी सब्जियों की कीमत में काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। रिटेल मार्वेष्ठट में सब्जी जो २० से ५० रुपए प्रति किलो हुआ करती थी, अब वह ५० से १०० रुपए प्रति किलो हो गई है। लौकी ४० से ५० रुपए प्रति किलो, टमाटर ३० रुपए प्रति किलो, तोरई ६० से ७० रुपए, परवल ६० रुपए, करेला ६० से ७० रुपए, बैंगन २० रुपए से ४० रुपए, हरी मिर्च ४० से ८० रुपये प्रति किलो, हरी धनिया ५० से १०० रुपए किलो, लहसुन ६० रुपए से १५० रुपए किलो और कद्दू ४० रुपए प्रति किलो बिक रहा है। २० रुपए की दो जोड़ी बिकने वाली मेथी ६० रुपए की दो जोड़ी मिल रही है। ग्वार ८० रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। शिमला मिर्च ७० से ८० रुपये, भिंडी ४० से ६० रुपए प्रति किलो बिक रही है। सब्जियों के व्यापारी राजेश ने आशंका जताई है कि आनेवाले दिनों में सब्जियों के दाम और बढ़ सकते हैं। सब्जियों के एक व्यापारी ने बताया कि २००८ और २००९ में अदरक के दाम सबसे ज्यादा बढ़े थे। उस दौरान एक किलो अदरक के थोक दाम १०० से १२० रुपए प्रति किलो थे, लेकिन पिछले साल अदरक की खपत अधिक नहीं होने से इस बार किसानों ने अदरक की फसल ज्यादा नहीं लगाई। नतीजतन, अदरक की सप्लाई कम होने से इसके दाम आसमान छूने लगे हैं। मंडी में अदरक का भाव २०० रुपए के पार हो चुका है।

# बेस्ट को 200 बसों की जरूरत...

**मुंबई :** बेस्ट के बेड़े में ३,३६७ या उससे अधिक बसें रखना जरूरी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फिलहाल बेड़े में ३,१६७ बसें हैं और २०० बसों की जरूरत है। उपलब्ध बसों में से १,५५५ बेस्ट की बसें हैं और बाकी बसें लीज पर हैं। इनमें से ५४१ बसें मार्च २०२४ तक समाप्त हो जाएंगी। इसमें साधारण डबल डेकर बसें भी हैं। इससे बसों की किल्लत और भी बढ़ेंगी। इसके अलावा बेस्ट को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड की २,१०० इलेक्ट्रिक एसी सिंगल डेकर बसों का भी इंतजार है। टाटा मोटर्स ने २,१०० इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए बेस्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट को चुनौती दी थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया, इसके बाद बेस्ट का रास्ता साफ हो गया। बेस्ट यात्रियों के लिए १५० मिडी एसी बसें शुरू करने का भी फैसला किया है। इनमें से ३६ बसें बेड़े में शामिल हो गई हैं। बेस्ट ने उम्मीद जताई कि बाकी बसें भी जल्द आ जाएंगी। सीएनजी से चलने वाली २०० सिंगल डेकर बसें अभी भी सेवा में नहीं हैं। बेस्ट ने यात्रियों की सुविधा के लिए अपने बेड़े में अधिक एसी बसों को शामिल करने का निर्णय लिया है। इनमें बड़े आकार की सिंगल डेकर, मिडी और डबल डेकर बसें हैं। फिलहाल एसी बस को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। हालांकि यात्री साधारण बसों की कमी महसूस कर रहे हैं। बेस्ट के बेड़े में कुल ९०० डबल डेकर एसी बसें होंगी, इनमें से २०० बसें बेड़े में शामिल हो चुकी हैं।

# तेल टैंकर में ब्लास्ट से थर्रा गया मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे, 4 लोगों की मौत...

**मुंबई:** मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर खंडाला घाट के पास आज (13 जून, मंगलवार) एक ऑयल टैंकर में आग लग गई. इस आग में जलकर 4 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग जख्मी हो गए. इस वजह से पिछले डेढ़ घंटे से यातायात ठप है. ब्रिज के नीचे की गाड़ियों में भी आग लगने की जानकारी सामने आ रही है. मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे से गुजर रहे ऑयल टैंकर में आग लगने की वजह से आग ज्यादा जोर से भड़क उठी. एक्सप्रेस वे पर तेल बिखर गया. इससे आग तेजी से फैली . आग से झुलसकर एक महिला सड़क पर पड़ी हुई और मदद की मांग करती हुई दिखाई दे रही है. इस आग में 4 लोगों की झुलसकर मौत हो गई है. मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है. यह आग खंडाला घाट के पास लगी. इस आग की वजह से पिछले डेढ़ घंटे से ट्रैफिक जाम हो गया है. खबर आ रही है कि ऑयल टैंकर में आग लगने की वजह से तेल रिस कर ब्रिज के नीचे गिरा इस वजह से आग ने अपनी लपेट में ब्रिज के नीचे की गाड़ियों को भी ले लिया.

**मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर कब लगी आग, कहां लगी आग?**

मुंबई पुणे एक्सप्रेस वे पर खंडाला घाट के पास लोनावला इलाके में एक ऑयल-केमिकल टैंकर में मंगलवार को अचानक आग लग गई. इस आग में झुलसकर दो लोगों की मौत हो गई. लोनावला इलाके में कुने नाम के गांव के पास के ब्रिज पर दोपहर के वक्त यह हादला हुआ. आग इतनी भयावह थी कि दोनों तरफ का ट्रैफिक जाम हो गया.

**आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू, लपेटे में आई नीचे से गुजरती गाड़ी**

फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिशें जारी हैं. टैंकर से केमिकल ऑयल नीचे रिसने की वजह से आग काफी दूर तक फैल गई. इस आग की वजह से पुल के नीचे से गुजर रही गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा. पुलिस टीम और फायरब्रिगेड के कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद हैं.

## आग की दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण, गृहमंत्री ने किया ट्वीट

इस भयंकर आग की दुर्घटना पर अफसोस जताते हुए राज्य के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठी में ट्वीट कर अफसोस जताया है. चार मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि तीन घायलों का इलाज शुरू है और घटनास्थल पर राज्य पुलिस दल, महामार्ग पुलिस, आईएनएस शिवाजी और फायरब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर मौजूद है. आग पर काबू पा लिया गया है और एक तरफ का ट्रैफिक शुरू हो गया है और दूसरी तरफ का ट्रैफिक जल्दी शुरू किए जाने की कोशिशें की जा रही हैं.

# मुंबई में पेड़ से गद्दा निकालने की कोशिश में इमारत से गिरकर व्यक्ति की मौत

**मुंबई:** उपनगर सांताक्रूज में सोमवार दोपहर एक पेड़ से गद्दा हटाने की कोशिश के दौरान दो मंजिला इमारत से गिर जाने से 35 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। वकोला पुलिस थाने के अधिकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विजय गुप्ता के रूप में हुई, जो अपने परिवार के साथ 'हनुमंत विजय' भवन में रहता था। अधिकारी ने कहा कि उसने बगल की इमारत में एक पेड़ में एक गद्दा फंसा हुआ देखा और उसे अपनी इमारत के ऊपर से हटाने के लिए एक बांस लिया। हालांकि, गुप्ता अपना संतुलन खो बैठा और इमारत से गिर गया। उन्होंने कहा कि उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एक चश्मदीद ने कहा, 'हो सकता है कि तेज हवा के कारण गद्दा पेड़ में फंस गया हो। गुप्ता के घर वालों ने उसे गद्दा नहीं हटाने को कहा, लेकिन उसने उनकी एक नहीं सुनी। वह इमारत से गिर गया और उसे सिर में घातक चोटें आईं। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की गई है और आगे की जांच की जा रही है।

# चोरी के टेम्पो का इस्तेमाल कर अलग-अलग जगहों से बकरे चुराकर बेचने वाले गिरोह पकड़े गए

**वसई:** एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत क्राइम ब्रांच,युनिट २ वसई,एक ऐसे गिरोह को पकड़ने में सफल रही,जो चोरी के टेम्पो का इस्तेमाल कर अलग-अलग जगहों से बकरे चुराकर बेच रहा था,इस गिरोह से ब्रांच की टीम ५ अपराधों को सुलझाया है तथा २ लाख स्व अधिक का माल जप्त किया है। यह कार्रवाई क्राइम डीसीपी अविनाश अंबुरे व एसीपी अमोल मांडवे के मार्गदर्शन क्राइम ब्रांच युनिट २ वसई (पी.आई) शाहुराज रणवरे, स. पो. निरी.सुहास कांबले व सागर शिंदे की टीम ने की है। यह जानकारी पुलिस अधिकारी ने सोमवार को दी है। पुलिस ने बताया कि,आचोला पुलिस स्टेशन में शिकायतकर्ता अकील खादीम कुरेशी (३४) ने शिकायत दर्ज कराया था कि ६ जून रात्रि २ से ४ बजे के बीच अज्ञात चोर द्वारा दुकान का शटर तोड़कर ४ बकरे ( कीमत४५,००० रुपये ) टेम्पो में डालकर चोर कर फरार हो गया था।इस मामले में आचोला पुलिस ने अज्ञात चोर के ऊपर ३८०,३४ के तहत केस दर्ज किया था।

पुलिस ने बताया कि,जैसा कि वसई इलाके में अलग-अलग जगहों पर इसी तरह के अपराध किए गए थे,उक्त अपराध का पदार्फाश करने के लिए वरिष्ठों द्वारा दिए गए आदेश से अपराध की व्यापक जांच शुरू करने वाली अपराध शाखा, सेल २, वसई इकाई के अधिकारियों और प्रवर्तकों द्वारा प्राप्त तकनीकी और गोपनीय जानकारी के आधार पर चोरी का टेंपो लेकर बकरा चुराने का आरोपी मुस्तफा मोहम्मद आबीद हाशनी (२४), मोहम्मद कलीम मोहम्मद कलाम कुरेशी (३६ ) व ईबारतअली उर्फ सिध्दु गुलाम हुसेन खान (१९) को वसई पूर्व में जाल बिछाकर चोरी के टेंपो के साथ ९ जून को गिरफ्तार किया गया,आगे पूछताछ करने पर पता चला है कि वे वसई इलाके के साथ-साथ दिवा (मंत्रा) से बकरियां चुराने के लिए टेंपो का इस्तेमाल करते थे और उन्हें मुंबई में बेच देते थे. उक्त आरोपियों से २,५०,००० रूपी छोटा हाथी टाटा टेंपो क्रमांक एमएच ०५- बी.एच ५४९३ को जब्त कर लिया गया है और कुल ५ अपराध का खुलासा हुआ है। आगे की जांच जारी है।

# मुंबई को 2024 तक मिलेगा नया इंटरनेशनल एयरपोर्ट, क्या कुछ होगा खास, 8 प्वाइंट में जानें सबकुछ...

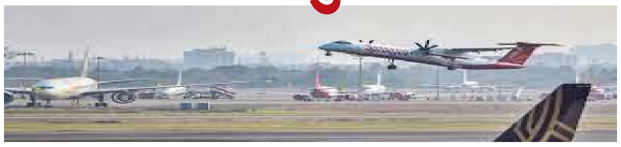

**मुंबई:** छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ रहे बोझ को कम करने के लिए नवी मुंबई में नया हवाई अड्डा तैयार किया जा रहा है. अच्छी खबर यह है कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन 2024 से शुरू हो जाएगा. रिपोर्ट के मुताबिक, नवी मुंबई हवाई अड्डा के विस्तार का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2032 तक इसकी क्षमता 9 करोड़ यात्रियों को संभालने की जाएगी. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिछले हफ्ते हवाई अड्डा निर्माण क्षेत्र का दौरा किया. फडणवीस के ट्वीट करके बताया कि उन्होंने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का दौरा किया और टर्मिनल, रनवे पर चल रहे काम की समीक्षा की. फडणवीस ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि, 2017 में हमने नवी मुंबई हवाई अड्डे का काम शुरू किया था. इस बात की उम्मीद है कि 2024 तक यहां की जनता को नए हवाई अड्डे की सौगात मिल जाएगी. उन्होंने लिखा है कि हम महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में गति लाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर, तकनीक, सुधार और निवेश पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. इस विकास की गति को लाने के लिए हमारा मूल मंत्र है k.Iffr Led Developmeftl. मुझे इस बात पर कोई शक नहीं है कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा इस मामले में मील का पत्थर साबित होगा. यह हवाई अड्डा मुंबई और नवी मुंबई के बाद नए तीसरी मुंबई के विकास की शुरूआत करेगा.

**नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बारे में 8 जरूरी बातें**

1 . हवाई अड्डा मुंबई मेट्रोपोलेटिन रीजन (एमएमआर) में उल्वे में मौजूद है.

2. नवी मुंबई हवाई अड्डे के निर्माण की योजना ने 1990 में आकार लिया. लेकिन इसको गति 2000 में मिली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में इस परियोजना के निर्माण की नींव रखी थी.

3- ग्रीन एयरपोर्ट के तौर पर पहचान रखने वाला यह हवाई अड्डा पूरी तरह से आधुनिक तकनीक से युक्त होगा. इसके साथ ही इसे ग्रीन कहने की वजह यह है कि इसके संचालन में पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा गया है जिसके तहत इलेक्ट्रिक वाहन, सोलार उर्जा और हरित बिजली का उपयोग किया जाएगा.

4- हवाई अड्डे का डिजाइन भारत के राष्ट्रीय फूल कमल की तरह है. जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगा.

5 - चार चरणों की यह परियोजना के पहले दो चरण, जिसके तहत विश्व स्तरीय हवाई अड्डा तैयार होगा, इसके दिसंबर 2024 तक समाप्त होने की उम्मीद है.

6- 1160 एकड़ क्षेत्र में फैले नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की लागत 16,700 करोड़ रुपये है.

7- 2032 तक हवाईअड्डे की क्षमता 2.5 मिलियन टन कार्गो की होगी. यही नहीं इसके साथ मुंबई दो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे वाला पहला शहर बन जाएगा.

8- नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लि. का निर्माण अडाणी समूह कर रहा है.

# जी-20 में मोदी ने किया काशी की स्पिरिट का जिक्र

## कहा-टाइमलेस काम करने की ऊर्जा देती है, जियो पॉलिटिकल टेंशन से देशों के बीच तनाव बढ़ा

**वाराणसी।** वाराणसी में जी-20 सम्मेलन के दूसरे दिन सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी भी वर्चुअली जुड़े। उन्होंने 20 देशों से आए 200 से ज्यादा विदेशी मेहमानों का स्वागत किया। पीएम ने अपने भाषण में एक तरफ जहां काशी की स्पिरिट का जिक्र किया। वहीं, दुनिया के दक्षिणी देश यानी ग्लोबल साउथ के बीच जियो पॉलिटिकल टेंशन की वजह से बढ़ते तनाव का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि तनाव की स्थिति से मानवता का नुकसान है। ऐसे में हमें इससे पार पाना है।

पीएम ने कहा, काशी की स्पिरिट टाइमलेस काम करने की ऊर्जा देती है। इसमें भारत की विविध विरासत का सार है। यह देश के सभी

हिस्सों के लोगों के लिए कनवर्जन प्वाइंट की तरह काम करता है। दुनिया का सबसे प्राचीन जिंदा शहर वाराणसी डेमोक्रेसी का जन्मदाता है। काशी ज्ञान का केंद्र है। डिस्कशन, डिबेट, कल्चर और आध्यात्मिकता सब कुछ यहां सैकड़ों साल से हैं।

### हम साथ काम करें, कोई भी देश पीछे न रहे

पीएम मोदी ने 200 से ज्यादा विदेशी डेलिगेट्स से कहा, विकास को बनाए रखना हमारा सामूहिक जिम्मेदारी है। सस्टनेबल डेवलपमेंट (SDG) के लिए हम एक साथ काम करें। कोई भी देश पीछे न रहे। दुनिया को मजबूत संदेश देना होगा कि हमारे पास एक बड़ा एक्शन प्लान है। हमें निवेश बढ़ाना होगा। स्थल के लक्ष्यों को पाने के लिए एक साथ आना होगा। भारत अपने एक्सपीरियंस साझा करेगा।

# बिपरजॉय तूफान से मुंबई में हाई अलर्ट

## गुजरात के तटीय इलाकों से लोगों को हटाया जा रहा, 150 KMPH की रफ्तार से चल सकती हैं हवाएं

**नई दिल्ली।** अरब सागर में उठे चक्रवात बिपरजॉय, जो पहले पाकिस्तान के तट की ओर जाता हुआ प्रतीत हो रहा था, ने अब अपना रास्ता बदल लिया है। भयंकर तूफान में तब्दील हो चुका बिपरजॉय अब उत्तर-उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ता हुआ दिख रहा है। मौसम विज्ञान विभाग ने ताजा बुलेटिन में कहा है कि 15 जून को यह उत्तरी गुजरात तट से टकरा सकता है।

IMD के क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र (RSMC) के एक बुलेटिन में कहा गया है कि भयंकर चक्रवात के कारण गुजरात तट पर अरब सागर में 2-3 मीटर ऊंची तूफानी लहरें उठेंगी। इसके अलावा तूफान से बड़े पैमाने पर नुकसान का अंदेशा जताया गया है। बुलेटिन में कहा गया है कि गुजरात के पश्चिमी तटीय जिलों में तूफान की वजह से भयंकर बारिश और बाढ़ से हालात उत्पन्न हो सकते हैं और कच्चे- पक्के घरों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा

# फुटकर महंगाई दर 2 साल के सबसे निचले स्तर पर

## मई में 4.25 प्रतिशत पर पहुंची, खाने-पीने के सामान की कीमतें घटने का असर

**नई दिल्ली।** देश में फुटकर महंगाई दर मई में घटकर 4.25% पर आ गई है। यह 25 महीनों में महंगाई का सबसे निचला स्तर है। अप्रैल 2021 में महंगाई 4.23% रही थी। खाने-पीने की चीजों के दाम में गिरावट के कारण महंगाई में यह कमी आई है। इससे पहले अप्रैल 2023 में रिटेल महंगाई दर 4.70% रही थी।

ग्रामीण महंगाई दर 4.68% से घटकर 4.17त्न पर आ गई है। शहरी महंगाई दर 4.85% से घटकर 4.27% पर आ गई है। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के बास्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाने-पीने की चीजों की होती है। मई में खाद्य महंगाई दर घटकर 2.91% पर आ गई है। अप्रैल 2023 में यह 3.84% और मार्च में 4.79%

रही थी।

### महंगाई घटना इकोनॉमी के लिए अच्छा संकेत

महंगाई में आई गिरावट को लेकर एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह इकोनॉमी के लिए अच्छा संकेत है। सप्लाई चेन में सुधार और कमोडिटी की कीमत में राहत का भी फायदा मिला है। हालांकि इस महीने हुई मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग की जानकारी देते हुए RBI गवर्नर ने कहा था कि महंगाई को लेकर चिंता और अनिश्चितता अभी भी बरकरार है। एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी CPI करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, CPI उसी को मापता है।

### महंगाई कैसे प्रभावित करती है?

महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 93 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

# तमिलनाडु में आर्मी जवान की पत्नी के साथ छेड़छाड़, सेना बोली- सैनिकों के परिवार की जिम्मेदारी हमारी

**चेन्नई।** तमिलनाडु में रविवार को आर्मी के जवान की पत्नी के साथ छेड़छाड़-मारपीट का एक मामला सामने आया था। मामले में जवान ने एक वीडियो बनाया था, जिसमें वह स्थानीय प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है। ये वीडियो सेना के ही एक रिटायर्ड अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल एन त्यागराजन ने पोस्ट किया था। पीड़ित जवान तमिलनाडु के पदवेदु गांव का रहने वाला है। उनका नाम हवलदार प्रभाकरन है और वह फिलहाल कश्मीर में तैनात हैं। वीडियो में सेना के जवान ने कहा, मेरी पत्नी तमिलनाडु के पदवेदु गांव में लीज

पर दुकान चलाती है। काफी समय से कुछ लोग उसे परेशान कर रहे हैं। बदमाशों ने दुकान का सामान बाहर फेंक दिया। उन्होंने मेरे परिवार पर चाकू से हमला किया और धमकी दी। मेरी पत्नी को अर्धनग्न कर दिया गया और बेरहमी से पीटा गया। मैंने SP से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। DGP साहब से भी मदद के लिए कहा है। यह सेना के जवान की पत्नी कीर्ति की तस्वीर है, जो अस्पताल में एडमिट हैं। यह सेना के जवान की पत्नी कीर्ति की तस्वीर है, जो अस्पताल में एडमिट हैं।

प्रियंका गांधी ने जबलपुर में नर्मदा पूजन किया

# 101 ब्राह्मणों के साथ आरती की, थोड़ी देर में चुनावी सभा

**जबलपुर।** कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज जबलपुर में हैं। वे इस साल के अंत में होने वाले एमपी विधानसभा चुनाव का शंखनाद करने आई हैं। प्रियंका ने सबसे पहले ग्वारीघाट पर 101 ब्राह्मणों के साथ 20 मिनट तक नर्मदा पूजन किया। उनके साथ [illegible] चीफ कमलनाथ समेत बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता हैं। पुलिस को प्रियंका की सुरक्षा को लेकर खतरे का इनपुट भी मिला है। [illegible] समर वर्मा के मुताबिक विशेष सतर्कता के चलते 200 अफसर और जवान सुरक्षा में तैनात किए गए हैं।

प्रियंका कुछ देर में शहीद स्मारक ग्राउंड में सभा को संबोधित करेंगी। यहां पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह पहुंच चुके हैं। सभास्थल पर भी लोगों का आना शुरू हो गया है। सभा में शामिल लोगों को कमलनाथ और प्रियंका के स्टीकर लगी पानी की बोतलें दी गई हैं। कांग्रेस ने जबलपुर में तिराहों-चौराहों पर राम भक्त हनुमान की 30-30 फीट की गदा (प्रतीक के तौर पर) लगाई हैं। एक कांग्रेस कार्यकर्ता हनुमान जी के कॉस्ट्यूम में भी पहुंचा है। ताल उद्यान में प्रियंका गांधी का आदिवासी लोक परंपरा से स्वागत हुआ। भीड़ में दौड़ते हुए गिरे कैमरामेन को प्रियंका ने जूता उठाकर दिया।

करीब 20 मिनट नर्मदा आरती के बाद प्रियंका ने ताल उद्यान पहुंचकर रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सुबह 11.25 पर प्रियंका जनसभा के लिए शहीद स्मारक ग्राउंड रवाना हुईं। सुबह 10.35 बजे प्रियंका हेलिकॉप्टर के जरिए आयुर्विज्ञान कॉलेज पहुंचीं। यहां से सड़क मार्ग से ग्वारीघाट गईं। प्रियंका गांधी सुबह 10.30 बजे जबलपुर पहुंचीं। डुमना एयरपोर्ट पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने उन्हें रिसीव किया। जबलपुर के ग्वारीघाट पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नर्मदा आरती कर मध्यप्रदेश में चुनावी शंखनाद किया। पूजा के दौरान हनुमान जी के कॉस्ट्यूम में कार्यकर्ता। जबलपुर के ग्वारीघाट पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नर्मदा आरती कर मध्यप्रदेश में चुनावी शंखनाद किया। पूजा के दौरान हनुमान जी के कॉस्ट्यूम में कार्यकर्ता। हनुमान जी के कॉस्ट्यूम में पहुंचा कार्यकर्ता, प्रियंका के साथ की आरती

ग्वारीघाट में नर्मदा जी की आरती के दौरान कमलनाथ भी प्रियंका गांधी के साथ रहे। विवेक तन्खा, लखन घनघोरिया और दूसरे कांग्रेस के सीनियर लीडर भी पहुंचे। हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता ने भी प्रियंका गांधी के साथ नर्मदा जी की आरती की।

भोपाल के कांग्रेस कार्यकर्ता राकेश कुशवाहा जबलपुर पहुंचे हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी से मुलाकात के बाद से दाड़ी बढ़ा रखी है। वे राहुल के गेटअप में नजर आए।

भोपाल के कांग्रेस कार्यकर्ता राकेश कुशवाहा जबलपुर पहुंचे हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी से मुलाकात के बाद से दाड़ी बढ़ा रखी है। वे राहुल के गेटअप में नजर आए।

तीन घंटे जबलपुर में रहेंगी प्रियंका गांधी

तय कार्यक्रम के मुताबिक प्रियंका गांधी विशेष विमान से डुमना एयरपोर्ट पहुंचीं। प्रियंका यहां से हेलिकॉप्टर से आयुर्विज्ञान कॉलेज पहुंची। कार के जरिए ग्वारीघाट के लिए रवाना हुईं। नर्मदा पूजन के बाद सड़क मार्ग से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के रक्तदान कार्यक्रम में शामिल होने शंकराचार्य चौक पहुंची। भंवरताल गार्डन पहुंचकर रानी दुर्गावती के प्रतिमास्थल पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। अंत में गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक ग्राउंड में सभा को संबोधित करेंगी। यहां एक लाख वर्ग फीट में बड़ा डोम लगाया गया है। प्रियंका गांधी 3 घंटे जबलपुर में रहेंगी। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट पर प्रियंका गांधी को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ ने रिसीव किया। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट पर प्रियंका गांधी को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ ने रिसीव किया।

अजीज कुरैशी बोले- कांग्रेस से मुसलमानों का सफाया कर दिया

# पूर्व राज्यपाल ने कहा- कांग्रेस पर छाया सॉफ्ट हिंदुत्व; ओवैसी बी जे पी के एजेंट

**भोपाल।** कांग्रेस के सीनियर लीडर और पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने अपनी ही पार्टी पर हमला बोला है। कुरैशी ने कहा, कांग्रेस से मुसलमानों का सफाया कर दिया गया है। मैं 1972 से [illegible] (ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी) का मेंबर था। आज मुझे भी बाहर कर दिया गया। मुझे अफसोस नहीं है। कुरैशीन ने भोपाल में रविवार को अल्पसंख्यक कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा, आज मुस्लिम वर्ग इग्नोर फील कर रहा है। आज जो बॉडी (पार्टी की कार्यकारिणी या टीम) बनती है, चाहे सरकार की हो या पार्टी की, मुस्लिम को स्थान नहीं मिल रहा है। कांग्रेस पार्टी हो या समाजवादी पार्टी, इन पर सॉफ्ट हिंदुत्व छा गया है। इन्होंने रास्ता बदल लिया है। मध्यप्रदेश में 230 विधायक में 2 विधायक कांग्रेस से हैं, क्या तीर मार लिया। कांग्रेस ने अहसान कर दिया हम पर? कुरैशी ने कहा हम ताकत से आपसे अपना हक छीनेंगे। हमारे बाजुओं में ताकत है। अजीज कुरैशी ने कहा, ओवैसी तो एजेंट है [illegible]का, दलाल है। जहां कांग्रेस को हराना हो या समाजवादी पार्टी को हराना हो, तो ओवैसी अपना कैंडिडेट खड़ा करता है। आप तो देख लीजिए। बिहार में, महाराष्ट्र में और जगह वह (ओवैसी) तो पूरा दलाल है। अजीज कुरैशी ने कहा, आज दो चीजों में लड़ाई है- हे राम और जय सियाराम। गांधी जी को जब गोली मारी गई, तो उन्होंने आखिरी समय में हे राम कहा। जब गोडसे को पकड़ा गया, तो उसने जय सियाराम कहा। जो पार्टियां मजहब की तरफ हो गई हैं, मजहबी लिबास ओढ़ लिया है, हम उनके खिलाफ लड़ेंगे। कुरैशी ने कहा- हम कांग्रेस पार्टी में ही लड़ाई लड़ेंगे। जिनको जाना है, वो छोड़ कर चला जाए। जिन - जिन फोरम से टिकट मिलता है, वहां हम लड़ेंगे। भोपाल, सीहोर, रायसेन में हमारे नेता हुआ करते थे, यहां भी सफाया कर दिया। कुरैशी ने कहा किसी से भीख नहीं मांगूंगा। चाहे वह कमलनाथ हों या चाहे वह दिग्विजय सिंह, जमीन पर लड़ाई लड़ूंगा।

## मुख्यमंत्री शिवराज का ऐलान

**भोपाल ।** मध्य प्रदेश में अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का मानदेय प्रतिमाह 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 13 हजार रुपये कर दिया गया है। इसी तरह सहायिका का मानदेय पांच हजार से बढ़ाकर साढ़े छह हजार कर दिया गया है। दोनों के मासिक मानदेय में प्रतिवर्ष एक हजार रुपये की बढ़ोतरी की जाएगी। साथ ही उन्हें लाडली बहना योजना का लाभ भी मिलेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी घोषणा में यह भी कहा है कि सेवानिवृत्त होने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सवा लाख और सहायिका को एक लाख रुपये एकमुश्त मिलेंगे। सहायिका से कार्यकर्ता के पद पर पदोन्नति 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत पदों पर कर दी गई है। दोनों को सरकारी कर्मचारियों की तरह छुट्टी एवं अन्य सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही उनका पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा कराया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने यह घोषणा रविवार को दोपहर में भोपाल के बीएचईएल दशहरा मैदान में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए की।

सड़क हादसे में कांग्रेस नेता का निधन

# नर्मदापुरम में हरदा स्टेट हाईवे पर पलटी गाड़ी, माखननगर बीएमओ भी घायल

**नर्मदापुरम।** नर्मदापुरम हरदा स्टेट हाईवे पर डोलरिया के मंगवारी के पास सड़क हादसे में कांग्रेस नेता अक्षय दीक्षित का निधन हो गया। घटना रविवार रात 10 बजे हुई। गाड़ी में कांग्रेस नेता अक्षय, माखननगर बीएमओ डॉक्टर रोहित शर्मा, अन्य एक व्यक्ति बैठे थे। सूचना मिलते ही पुलिस और डायल 100 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। गाड़ी से बाहर निकालकर घायलों को पहले नर्मदा अस्पताल ले गए। वहां से जिला अस्पताल भेज दिया गया। हादसे में अक्षय दीक्षित का निधन हो गया। बीएमओ रोहित समेत अन्य एक साथी घायल है। डॉ. रोहित का पांडे अस्पताल में उपचार जारी है। देहात थाना प्रभारी संजय चौकसे ने बताया सड़क हादसे में अक्षय दीक्षित का निधन हुआ है। दो अन्य लोग घायल हैं। अभी बयान नहीं हुए हैं। अक्षय दीक्षित का सड़क हादसे में निधन हो गया। पुलिस के मुताबिक कांग्रेस नेता अक्षय दीक्षित, बीएमओ डॉक्टर शर्मा और अन्य एक साथी एक शादी समारोह में शामिल होने सिवनी मालवा जा रहे थे। रात करीब 10 बजे नर्मदापुरम हरदा स्टेट हाईवे पर डोलरिया थाना अंतर्गत ग्राम मंगवारी के पास गाड़ी पलटने के चलते हुआ हादसा। अक्षय दीक्षित के निधन की सूचना मिलते है शहर में शोक की लहर छा गई। रात में शहर के सैकड़ों लोग अस्पताल पहुंचे।

## एक्सीडेंट में कटकर गिरे हाथ को इंदौर में जोड़ा

**इंदौर।** इंदौर में डॉक्टरों ने महिला के शरीर से अलग हो चुके बाएं हाथ को पूरी तरह से जोड़ दिया है। 165 किमी दूर हुए इस हादसे के बाद महिला का चार घंटे में इंदौर तक आना सबसे दर्दनाक रहा। महिला की सर्जरी 9 घंटे चली। अब महिला के हाथ की तीन उंगलियों में मूवमेंट शुरू हो गया है। जल्द ही पूरा हाथ काम करने लगेगा। हादसा नलखेड़ा से इंदौर लौटते समय हुआ। बुजुर्ग महिला अपने पोते के साथ जीप की विंडो सीट पर बैठी थी। महिला का हाथ आधा बाहर निकला हुआ था। इसी दौरान एक ट्रक इतनी नजदीक से गुजरा कि महिला के हाथ को शरीर से अलग करते हुए निकल गया। महिला की चीख सुनकर ड्राइवर ने तत्काल गाड़ी रोकी। कार में बैठे बेटे ने महिला का हाथ ढूंढा। और इंदौर के एक अस्पताल में फोन लगाकर डॉक्टरों से बात की। डॉक्टरों ने कहा कि महिला के कटे हाथ को आइस बॉक्स में रख कर इंदौर ले आएं। हादसा 4 जून की रात नलखेड़ा से इंदौर लौटते समय आगर रोड पर हुआ। महिला परिवार के साथ रात 9.30 बजे कार से घर लौट रही थी। तभी सारंगपुर से 15 किमी दूर सामने से तेज रफ्तार से आ रहा ट्राला रांग साइड से आया और जीप से सटकर निकला।

पुअर परफॉर्मेंस के चलते 6 महिला जज बर्खास्त

# तीन करप्ट ऑफिसर्स की संपत्ति होगी राजसात; चुनावी साल में सरकार सख्त

**भोपाल।** मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की अनुशंसा पर सरकार ने अलग-अलग जिलों में पदस्थ 6 महिला न्यायाधीशों की सेवा समाप्त कर दी है। प्रोबेशन पीरियड में इन महिला जजों का परफॉर्मेंस ठीक न होने के चलते यह कार्रवाई की गई है। विधि-विधायी कार्य विभाग ने इसके आदेश जारी किए हैं। विभाग द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि परिवीक्षा अवधि संतोषजनक और सफलतापूर्वक निर्वहन नहीं कर पाने के कारण यह निर्णय किया गया है। इसे लेकर बीते 8 से 10 मई के बीच प्रशासनिक समिति की बैठक हुई थी। बाद में 13 मई को फुल कोर्ट मीटिंग में इस पर अंतिम फैसला किया गया था। इस बैठक में सभी 6 महिला जजों को सेवामुक्त करने की अनुशंसा की गई थी। जिन महिला न्यायाधीशों की सेवाएं समाप्त की गई हैं, उनमें न्यायिक सेवा की सदस्य सरिता चौधरी द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश उमरिया,

रचना अतुलकर जोशी द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश त्योंथर जिला रीवा, प्रिया शर्मा प्रथम व्यवहार न्यायाधीश अंबेडकरनगर इंदौर, सोनाक्षी जोशी प्रथम व्यवहार न्यायाधीश के अधीन पंचम अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश मुरैना शामिल हैं। साथ ही, अदिति शर्मा पंचम व्यवहार न्यायाधीश टीकमगढ़ और ज्योति बरवड़े व्यवहार न्यायाधीश टिमरनी जिला हरदा के नाम शामिल हैं। यह सभी कनिष्ठ खंड की न्यायिक सेवा की सदस्य रही हैं, जिन्हें अच्छा परफॉर्म न करने के कारण सेवा से टर्मिनेट किया गया है। सीएम शिवराज कई बैठकों में यह साफ कह चुके हैं कि करप्शन के मामले में हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है। भ्रष्टाचार से जुडे मामलों में घिरे अफसरों के खिलाफ राज्य सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। शासन ने तीन करप्ट अफसरों की संपत्ति राजसात करने के आदेश दिए हैं। इंदौर में उपायुक्त आबकारी रहे नवल सिंह जामोद, इंदौर में लोक निर्माण विभाग के टाइम कीपर के पद पर पदस्थ रहे गुरुकृपाल सिंह सुजलाना और कार्यालय उपायुक्त राहत में संयुक्त आयुक्त के पद पर रहे डॉ. रविकांत द्विवेदी के खिलाफ जांच की गई थी। जांच में पाया गया कि तीनों अधिकारियों ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। तीनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए थे। राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक तीनों अधिकारियों की वैधानिक आय के अतिरिक्त जमा संपत्ति को राजसात कर लिया जाएगा।

# टाइगर ने दिशा को किया बर्थडे विश, खास तस्वीर शेयर कर लिखा प्यारा सा नोट....

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी के अफेयर की खबरें कई सालों से मीडिया में छाई हुई थीं. दोनों को कई रेस्टोरेंट, इवेंट्स में साथ-साथ देखा जाता था, लेकिन दोनों में से किसी ने कभी भी अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की और दोनों हमेशा कहते थे कि वो सिर्फ अच्छे दोस्त हैं. हालांकि पिछले साल यह खबर आई कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है. ब्रेकअप की खबरों के बीच भी टाइगर ने मंगलवार को दिशा को उनके 31वें जन्मदिन पर इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर उन्हें बधाई दी. दिशा के साथ काफी अच्छा बॉन्ड शेयर करने वाली आयशा श्रॉफ ने भी पोस्ट शेयर कर दिशा को बर्थडे

# दो साल बाद जिम में लौटीं कंगना रनौत ने किया 'धाकड़' वर्कआउट, अनुमप खेर बोले-'आप तो डरा रही हो'...

बॉलीवुड की बेबाक क्वीन कंगना रनौत पिछले काफी वक्त से अपनी अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' में बिजी हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है. जो अब काफी तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में कंगना दो साल बाद जिम में जमकर पसीना बहाती हुई दिखाई दी हैं. जिसकी उनके फैंस खूब काफी तारीफ कर रहे हैं.

कंगना रनौत ने अपना ये वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. वीडियो में वो धाकड़ लुक में जिम में वर्कआउट कर रही हैं. इस वीडियो शेयर करते हुए कंगना ने लिखा - 'श्रीमती गांधी की भूमिका निभाने के लिए अपनी एक्सरसाइज से दो साल दूर रही, लेकिन अब मैं अपने फिटनेस रूटीन में वापस आ गई हूं, अगली एक्शन फिल्म के लिए शानदार ट्रांसफॉर्मेशन के इंतजार में हूं...'

# जरा हटके जरा बचके ने पकड़ी रफ्तार, बाकी फिल्मों की कमाई में भी उछाल

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों जरा हटके जरा बचके का शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। फिल्म ने पहले हफ्ते में अच्छी कमाई की तो अब दूसरे हफ्ते में इसने रफ्तार पकड़ ली है। इसके अलावा, द केरल स्टोरी और स्पाइडर मैन~ अक्रॉस द स्पाइडर वर्स की कमाई में भी वीकेंड पर बढ़त देखने को मिली है, वहीं इस हफ्ते रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म ट्रांसफॉर्मर्स~ राइज ऑफ द बीस्ट इन्हें टक्कर दे रही है।लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी जरा हटके जरा बचके एक फैमिली ड्रामा है, जो 2 जून को रिलीज हुई थी। फिल्म ने शुक्रवार को 3.42 करोड़ रुपये कमाए थे तो अब शनिवार को कलेक्शन बढ़ा है और अब यह जल्द 50 करोड़ के क्लब में भी शामिल हो जाएगी।रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 9वें दिन 5.76 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है और अब इसकी कुल कमाई 46.53 करोड़ रुपये हो गई है। जरा हटके जरा बचके में सारा अली खान और विक्की कौशल की जोड़ी को पहली बार देखा गया है। फिल्म में दोनों ने इंदौर के एक मिडिल क्लास कपल, कपिल और सौम्या का किरदार निभाया है, जो अपने बड़े परिवार के साथ छोटे से घर में रहते हैं। ऐसे में दोनों साथ में समय नहीं बिता पाते और इसी के चलते तलाक लेने का फैसला लेते हैं ताकि सरकारी आवास योजना का लाभ उठाकर उन्हें शहर में घर मिल जाए। ट्रांसफॉर्मर्स फ्रेंचाइजी की नई फिल्म ट्रांसफॉर्मर्स~ राइज ऑफ द बीस्ट ने 8 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म ने पहले दिन 4.4 करोड़ के साथ अपनी शुरुआत की थी तो दूसरे दिन इसका कलेक्शन 4.89 करोड़ रुपये रहा था, वहीं अब तीसरे दिन इसकी कमाई में इजाफा देखने को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने शनिवार को 6.50 करोड़ रुपये कमाए हैं और ऐसे में तीन दिन में इसका कलेक्शन 15.79 करोड़ रुपये हो गया है।

# गिप्पी ग्रेवाल ने बताया क्यों कैरी ऑन जट्टा 3 को देखते हैं पैन इंडिया की तरह

पंजाबी गायक और अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल इन दिनों सोनम बाजवा के साथ अपनी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 का प्रचार करने में जुटे हुए हैं। अभिनेता यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी फिल्म भारत ही नहीं विदेशी दर्शकों तक भी पहुंचने में सफल रहे हैं। अभिनेता 29 जून को रिलीज हो रही कैरी ऑन जट्टा 3 को पैन इंडिया फिल्म के रूप में देखते हैं और चाहते हैं कि पंजाबी फिल्में दुनिया भर में अपनी पहुंच बनाए। कैरी ऑन जट्टा 3 कॉमेडी फिल्म है, जिसके पहले दोनों भागों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था और ऐसे में सभी ब्रेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर मुंबई में आमिर खान और कपिल शर्मा की मौजूदगी में लॉन्च हुआ था, जिससे यह पंजाब के बाहर ट्रेलर लॉन्च करने वाली पहली पंजाबी फिल्म बन गई थी। इस दौरान सितारों ने कहा था कि इस फिल्म को दुनिया भर में ले जाना चाहते हैं। गिप्पी ने बताया कि क्यों वह कैरी ऑन जट्टा 3 को एक पैन इंडिया फिल्म के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, कोई भी फिल्म जिसे हम एक बड़े मंच पर लाते हैं, उसमें पैन इंडिया स्तर का कुछ खास होना चाहिए, जो दर्शकों को भा जाए। उन्होंने कहा, कैरी ऑन जट्टा 1 ने अपनी अलग पहचान बनाई, इसलिए दूसरा भाग दुनिया के हर पंजाबी तक पहुंचा और गैर-पंजाबी दर्शकों ने इसे पसंद लिया। गिप्पी और निर्माता तीसरे भाग को पूरे भारत में रिलीज करना चाहते थे। गिप्पी ने कहा, हमने महसूस किया कि गैर-पंजाबी भाषी दर्शक या भारत के बाहर के दर्शक हमारी फिल्म को ऑनलाइन ही देखते थे। हमारा सिनेमा दिन-ब-दिन आगे बढ़ रहा है और हम चाहते हैं कि यह और भी बड़ा हो। ऐसे में हम एक बड़ी पंजाबी फिल्म चाहते थे और अगर लोगों ने किसी पंजाबी फिल्म के बारे में सुना हो तो वो हमारी फिल्म होनी चाहिए। गिप्पी ने कहा, फिल्म के दूसरे और तीसरे भाग के बीच 5 साल का अंतर है। इन 5 वर्षों में हमने इसे बड़ा बनाने और दृश्यों में सुधार करने के लिए सब कुछ किया है, लेकिन ध्यान में रखा है कि हम अपने स्वाद को न जाने दें।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email -editor@rokthoklekhaninews.com